

दिनांक

27-2-17

दिनांक 24-2-17 को राजसीय स्वकार/ ज्योतिषादीन के पत्रावली काज पेश हुई। वस्तीम वादी उपस्थित/ P.O. 170 राजसीय कार्य के बाहर पत्रावली का वार-त/ प्रतिवादी को 1 को उ के इच्छित/ पत्र पेश करने, प्रतिवादी को उ के कायम इकाय का प्रार्थना पत्र पेश करने, व प्रतिवादी को 298 के कम्कन कंडालपार से पत्रावली दिनांक 16-6-17 को पेश हो। B.O.

21-6-17

पत्रावली के... प्री... को पेश हुई।
अगामी दिनांक... को पेश हो।

21-7-17

पत्रावली पेश हुई। राजसीय काज एकोपिशन काज कार्य का स-भाग क्रिया हुआ है। वार-त/ प्रतिवादी को 1 को उ के इच्छित/ पत्र पेश करने, प्रतिवादी को उ के कायम इकाय का प्रार्थना पत्र पेश करने व प्रतिवादी को 298 के कम्कन कंडालपार से पत्रावली दिनांक 24-11-17 को पेश हो।

6-10-17

वस्तीम वादी द्वारा एक प्रार्थना पत्र राजसीय के माध्यम पर प्रकृत का निवृत्त/ कराने का काज प्रकृत किया। किं शाश्वत पत्रावली क्रिया गया। वस्तीम वादी उपस्थित/ प्रतिवादी को 1 को उ के इच्छित/ पत्र पेश करने, प्रतिवादी को उ के कायम इकाय का प्रार्थना पत्र पेश करने, प्रतिवादी को 298 के कम्कन कंडालपार से पत्रावली दिनांक 24-11-17 को पेश हो।

Subscribed
Indubhat
By N.W.

अपने
उपस्थित
[Signature]

उत्तर नं १०११६ संकाय

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

श्री कोर्ट को कार्यवाही नहीं चाहिए है केवल प्रभाव पडावली
तलब श्री जाकर उत्तर उत्तर के कार्यवाही करती कर
DPO करवाई जावे। किन्तु प्रर पत्रिका प्रतीकादीक
। कदमता है।

श्रीके प्रभावली का कवलो कर दिया गया उक्त
पत्र श्री कदम प्रर मन्त्र दिया गया न्याय हित
श्री वादी एवं प्रतिवादी को। एतत् उत्तर राजीनामा
के शब्द प्रर उत्तर का निरन्तर कराने का
परम पत्र रबीकरा दिया जाकर वादी का
वाद प्रर आपसी राजीनामा होने वादी एतत्के
कार्यवाही नहीं चाहिए है इतर वादी का कद
प्रर इसी स्टेज प्रर कार्यवाही DPO करके डर
निर्णय दिया जाता है प्रभावली प्रर सुचारु
श्री जाकर इतर डर दिया है



उपखण्ड अधिकारी
मंडल जिला मालवाड़ा